

7/12/19 E

[This question paper contains 6 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 3348

J

Unique Paper Code : 62131115

Name of the Paper : Sanskrit A : Sanskrit Literature

Name of the Course : B.A. (Prog.) Sanskrit

Semester : I

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English**, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Attempt **all** questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।
3. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

P.T.O.

1. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं दो का अनुवाद कीजिए :

Translate any **two** of the following : (5×2=10)

- (i) उद्यमेन हि सिद्ध्यन्ति कार्याणि न मनोरथैः ।
न हि सुप्तस्य सिंहस्य प्रविशन्ति मुखे मृगाः ॥
- (ii) गुणा गुणज्ञेषु गुणा भवन्ति ते निर्गुणं प्राप्य भवन्ति दोषाः ।
आस्वाद्य तोयाः प्रवहन्ति नद्यः समुद्रमासाद्य भवन्त्यपेयाः ॥
- (iii) लोभात् क्रोधः प्रभवति, लोभात् कामः प्रजायते ।
लोभान्मोहश्च नाशश्च, लोभः पापस्य कारणम् ।
- (iv) अस्ति मगधदेशे चम्पकवती नामारण्यानी । तस्यां चिरान्महता
स्नेहेन मृगकाकौ निवसतः । स च मृगः स्वेच्छया भ्राम्यन्
दृष्ट-पुष्टाङ्गः केनचिच्छृगालेनावलोकितः । तं दृष्ट्वा
शृगालोऽचिन्तयत् - 'आः ! कथमेतन्मांसं सुललितं भक्षयामि ।
भवतु । विश्वासं तावदुत्पादयामि ।'

- (ख) निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए :

Explain the following :

(8)

कीटोऽपि सुमनः सङ्गादारोहति सतां शिरः ।

अश्मापि याति देवत्वं महद्भिः सुप्रतिष्ठितः ॥

अथवा / OR

रूपयौवनसम्पन्ना विशालकुलसम्भवाः ।

विद्याहीना न शोभन्ते निर्गन्धा इव किंशुकाः ॥

2. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं दो का अनुवाद कीजिए :

Translate any **two** of the following : (5×2=10)

- (i) अनृतं साहसं माया मूर्खत्वमतिलुब्धता ।
अशौचत्वं निर्दयत्वं स्त्रीणां दोषाः स्वभावजाः ॥
- (ii) शैले शैले न माणिक्यं मौक्तिकं न गजे गजे ।
साधवो न हि सर्वत्र चन्दनं न वने वने ॥
- (iii) कान्तावियोगः स्वजनापमानः ऋणस्य शेषं कुनृपस्य सेवा ।
दारिद्र्यभावो विषमा सभा च विनाग्निमेते प्रदहन्ति कायम् ॥
- (iv) विद्या बलं च विप्राणां राज्ञां सैन्यं बलं तथा ।
वित्तं बलं च वैश्यानां शूद्राणां परिचर्यिका ॥

3348

4

(ख) निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए :

Explain the following :

(8)

लालनाद् बहवो दोषास्ताडनाद् बहवो गुणाः ।

तस्मात्पुत्रं च शिष्यं च ताडयेन्न तु लालयेत् ॥

अथवा / OR

लोकयात्रा भयं लज्जा दाक्षिण्यं त्यागशीलता ।

पञ्च यत्र न विद्यन्ते न कुर्यात् तत्र संस्थितिम् ॥

3. प्रश्न संख्या 1 तथा 2 में रेखांकित किन्हीं छः शब्दों पर व्याकरणात्मक टिप्पणी लिखिए ।

Write grammatical notes on any **six** of the underlined words in Question Nos. 1 and 2. (6×2=12)

4. संस्कृत नीतिकथा साहित्य के उद्भव और विकास पर प्रकाश डालिए ।

Through light on the origin and development of Sanskrit Nitikatha Literature. (12)

3348

5

अथवा / OR

बाणभट्ट के गद्यकाव्यों की विशेषताएँ बताइए ।

Explain the qualities of Banabhatta's Prose Compositions.

5. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर टिप्पणी लिखिए :

Write notes on any **three** of the following : (5×3=15)

- (i) सत्संगति का प्रभाव

Impact of good company

- (ii) मृग-शृगाल कथा

Mrig-Shrugal Katha

- (iii) स्त्रियों के विषय में चाणक्य के विचार

Chanakya's views about women

- (iv) सुबन्धुण्त वासवदत्ता

Vasavdatta by Subandhu

(v) मित्रलाभ में निरूपित उद्यम का महत्त्व

Importance of Hard Work according to
Mitralabha.

munotes.in